एम.ए.एच.आई.

एम.ए. (इतिहास)

सत्रीय कार्य
2024-2025

जुलाई 2024 जनवरी 2025 सत्रों के लिए

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-107
भारतीय अर्थव्यवस्था का इतिहास-2
c. 1700-2000

इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110068

सत्रीय कार्य
एम.एच.आई.-107
भारतीय अर्थव्यवस्था का इतिहास-2
c. 1700-2000
जुलाई 2024 और जनवरी 2025 सत्रों के लिए

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य अनिवार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।

सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर आप अपन शब्दों में दें। यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रश्न का उत्तर जितने शब्दों में देने के लिए कहा जाए उसका उत्तर लगभग उतने ही शब्दों में दीजिए।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद आप इसे अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास जमा करें। सत्रीय कार्य जमा करने के बाद इसकी पावती अवश्य प्राप्त कर लें और इसे अपने पास संभाल कर रख लें। अच्छा हो कि आप अपने सत्रीय कार्यों के उत्तर की फोटोकॉपी भी अपने पास रख लें।

सत्रीय कार्यों के उत्तर जाँचने के बाद जाँचे गये उत्तर अध्ययन केन्द्र से आपको लौटा दिए जाएँगे। आप इसकी माँग अवश्य करें। अध्ययन केन्द्र आपके द्वारा प्राप्त अंक **विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, दिल्ली** को भेज देगा। इसे आपके ग्रेड कार्ड में शामिल कर लिया जाएगा।

सत्रीय कार्य जमा करना

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सत्रांत परीक्षा देने से पहले आप सत्रीय कार्य अवश्य जमा करा दें। इसलिए आपको यह सलाह दी जाती है कि आप इसे दी गई अवधि के भीतर पूरा कर लें। सभी सत्रीय कार्यों को जमा करने की अंतिम तारीख में आपको काफी समय दिया गया है लेकिन आपको हम यह सलाह देना चाहते हैं कि आप अपने पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ-साथ इसे बारी-बारी से पूरा करते चलें और इसी हिसाब से आप उसे जमा भी करते जाएँ ताकि आपको अंक, परामशदाता की टिप्पणी और मूल्याकित सत्रीय कार्य मिलते रहें। सुनियोजित ढंग से योजना बनाकर आप निर्धारित अवधि के भीतर अपने सारे सत्रोय कार्य पूरे कर सकते हैं। सभी सत्रीय कार्यों को जमा करने के लिए अंतिम तारीख का इंतजार नहीं करें क्योकि एक ही साथ सारे सत्रीय कार्यों को हल करना आपके लिए मुश्किल हो जाएगा। सत्रीय कार्य जमा करने की निर्धारित तिथियाँ नीचे सारणी में दी गई हैं:

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2024 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**31 माच, 2025**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास
जनवरी 2025 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**30 सितम्बर, 2025**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास

सवालों का जवाब देने से पहले नीच दिए गए निर्देशां को ध्यानपूर्वक पढ़िए:

सत्रीय कार्य के लिए निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में दो तरह से सवाल पूछे जाएँगेः

1) प्रत्येक **विवरणात्मक और निबंधात्मक प्रश्नों** का उत्तर लगभग **500 शब्दों** में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए **20 अंक** निर्धारित होंगे।

2) प्रत्यक **लघु श्रेणी प्रश्नों** का उत्तर लगभग **250 शब्दों** में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।

निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने से आपके लिए उत्तर देना आसान होगाः

क) **नियोजन** : सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़िए। उन इकाइयों को ध्यान से पढिए जिनसे ये सवाल पूछे गए हैं। प्रत्येक सवाल का जवाब देने के लिए कुछ प्रमुख बिन्दुओं को अलग से लिख लें और इन्हें तार्किक ढंग से फिर से व्यवस्थित कर लें।

ख) **चयन** : अपने जवाब की रूपरेखा बनाते समय जरूरी बातों का ही उल्लेख करें। उत्तर को विश्लेषणात्मक बनाएँ। निबधात्मक प्रश्न में प्रस्तावना और निष्कर्ष अवश्य शामिल करें। प्रस्तावना के अन्तर्गत उत्तर के प्रमुख पक्षों को प्रस्तुत करें और यह बताएँ कि आप इस सवाल का जवाब किस तरह से देने जा रहे हैं। अपने उत्तर के उपसंहार में मुख्य बिन्दुओं का सार भी दें।

उत्तर देते वक्त इस बात का ध्यान रखें किः

- आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो,
- वाक्यों और अनुच्छेद के बीच स्पष्ट संबंध हो,
- आपकी शैली, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के साथ-साथ आपके उत्तर भी सही हों
- यह चेष्टा करें कि आपके उत्तर शब्द सीमा से अधिक न हों।

ग) **प्रस्तुति** : जब आप संतुष्ट हो जाएँ तो सत्रीय कार्य जमा करने से पहले इसे साफ-साफ लिख लें। जिन बिंदुओं पर आप बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित भी कर सकते हैं।

घ) **व्याख्या** : इतिहास लेखन में व्याख्या एक निंरतर प्रक्रिया है। यह आपकी योजना और चयन में पहले ही अभिव्यक्त हो चुका है। "हो सकता है", "संभव है", "हो सकता था", आदि जैसी व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ खुद ब खुद लेखन में व्याख्या के तथ्य शामिल कर लेती हैं। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि इस प्रकार की टिप्पणियों के साथ-साथ आपके उत्तर में इसे पुष्ट करने वाले तथ्य भी शामिल होने चाहिए।

शुभकामनाओं के साथ,
इतिहास संकाय

अध्यापक जाँच सत्रीय

एम.एच.आई.-107: भारतीय अर्थव्यवस्था का इतिहास-2

*c.*1700-2000

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-107

सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-107/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2024-25

पूर्णांक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सत्रीय कार्य दो भागों क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. 'अठारहवीं शताब्दी सार्वभौमिक रूप से अवनित की शताब्दी थी।' व्याख्या कीजिए। **20**

2. उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में भारतीय व्यापारिक अर्थव्यवस्था में भारतीय व्यापारियों की क्या भूमिका थी? **20**

3. धन की निकासी संबंधी हालिया तर्कों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। **20**

4. जनजातीय अर्थव्यवस्था पर औपनिवेशिक हस्तक्षेपों के प्रभाव का विश्लेषण कीजिए। **20**

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर **लगभग 250 शब्दों म** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

   (i) यूरोपीय निजी व्यापार का उदय

   (ii) भारतीय वाणिज्यिकरण के प्रभाव

   (iii) हर्शेल कमेटी रिपोर्ट

   (iv) वन-वासियों के परम्परागत अधिकार

भाग-ख

6. मॉरिस डी. मॉरिस के इस तर्क का कि 'भारत में परम्परागत उद्योगों के ह्रास के प्रत्यक्ष प्रमाण अधिक नहीं हैं,' आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। **20**

7. औपनिवेशिक भारत में महिलाओं की रोजगार क्षमता का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। **20**

8. प्रथम तीन पंचवर्षीय याजनाओं में भारतीय आर्थिक विकास का विश्लेषण कीजिए। **20**

9. बैंकों के राष्ट्रीकरण का ऋण बाज़ार, बचत और निवेश के विकास पर क्या प्रभाव पड़ा? **20**

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर **लगभग 250 शब्दों में** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

    (i) प्रारम्भिक जनगणना

    (ii) हाइगर्ल्स एंड कंपनी

    (iii) वैश्वीकरण

    (iv) 1990 के दशक के आर्थिक सुधार